an>

title: Need to set up desalination plant in coastal area of Maharashtra.

श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण (दिंडोरी) ः मेरा गृह राज्य महाराष्ट्र विगत कई सालों से सूखे की समस्या को झेल रहा है। सिंचाई से लेकर पेयजल की समस्या प्रतिदिन भयंकर होती जा रही है। खेतों को पानी नहीं मिलना, पशुओं को पानी नहीं मिलना, लोगों को पेयजल नहीं मिलने से पूरे महाराष्ट्र के किसानों की आर्थिक स्थिति बहुत ही दयनीय हो गई है। किसान के खेतों में फसल पानी के अभाव में सूखने से किसान बैंकों से लिए गए ऋण की अदायगी नहीं कर पाने से महाराष्ट्र के किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र दिंडोरी के आस-पास के क्षेत्रों में स्थित भातसा डैम, वैतरणा डैम एवं ताणसा डैम हैं, जिनका पानी पूरे मुम्बई को जा रहा है। अगर महाराष्ट्र के समुद्री तटों पर समुद्री पानी को पेयजल में परिवर्तित करने के आधुनिक प्लांट लगाये जायें तो उपरोक्त डैमों का पानी उत्तरी महाराष्ट्र के लिए प्रयोग किया जा सकता है। इससे उत्तरी महाराष्ट्र में सूखे से परेशान किसानों एवं नागरिकों को कुछ राहत दी जा सकती है। इसके लिए प.बंगाल एवं तमिलनाडु के समुद्र तटों पर समुद्री पानी को पेयजल में बदलने के लिए कई प्लांट सफल रूप से चल रहे हैं। इसके लिए केंद्र सरकार को पहल करना आवश्यक है। इसके लिए मैं स्वयं माननीय प्रधानमंत्री जी से मिला था। इस संबंध में पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय ने कार्यवाही भी की थी, परंतु अभी तक महाराष्ट्र में इस समुद्र पानी से पेयजल बनाने हेतु किसी भी समुद्री तट पर डिसेलिनेशन प्लांट की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।

सरकार से अनुरोध है कि वर्तमान समय में महाराष्ट्र में सूखे की समस्या के तात्कालिक हल के लिए महाराष्ट्र के समुद्री तटों पर डिसलिनेशन प्लांट स्थापित किए जायें, जिससे मुम्बई को पानी की आपूर्ति की जा सके और भातसा डैम, वैतरणा डैम एवं ताणसा डैम से जो पानी मुम्बई के लिए जाता है, उस पानी को उत्तरी महाराष्ट्र के सूखे से प्रभावित क्षेत्रों में दिया जा सके।